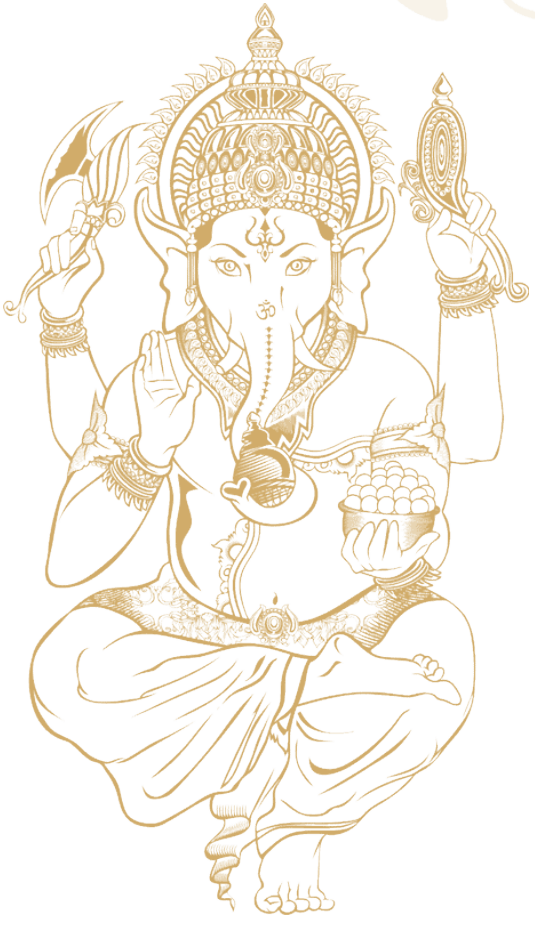

Saksham Sharma

Bhawna Sharma

Model: Horoscope-Matching **Order No: 121640001**

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121640001 Date: 19/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/05/1995	जन्म तिथि	1-02/03/2000
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 14:10:00	जन्म समय	05:25:00 घंटे
घटी 21:44:07	जन्म समय(घटी)	56:38:40 घटी
India	देश	India
Ghaziabad	स्थान	Fazilka
28:40:00 उत्तर	अक्षांश	30:26:00 उत्तर
77:26:00 पूर्व	रेखांश	74:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:16	स्थानिक संस्कार	-00:33:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:28:21	सूर्योदय	07:00:09
19:04:46	सूर्यास्त	18:32:22
23:47:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:20

कन्या	लग्न	मकर
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शनि
धनु	राशि	धनु
गुरु	राशि-स्वामी	गुरु
पूर्वाषाढ़ा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
3	चरण	1
शुभ	योग	वरियान
कौलव	करण	बालव
फा-फारुख	जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	मानव
वानर	योनि	नकुल
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	मूषक

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 6वर्ष 6मा 3दि		00:02:25	कन्या	लग्न	मक	15:41:43	सूर्य 4वर्ष 8मा 26दि	
राहु		03:09:40	वृष	सूर्य	कुंभ	17:51:09	राहु	
20/11/2024		22:19:35	धनु	चंद्र	धनु	29:28:09	27/11/2021	
20/11/2042		03:00:35	सिंह	मंगल	मीन	20:29:26	27/11/2039	
राहु	03/08/2027	23:07:27	वृष	बुध व	कुंभ	17:06:20	राहु	09/08/2024
गुरु	26/12/2029	18:28:30	वृश्चि व	गुरु	मेष	09:00:23	गुरु	03/01/2027
शनि	01/11/2032	07:53:13	मेष	शुक्र	मक	21:57:00	शनि	09/11/2029
बुध	22/05/2035	29:02:01	कुंभ	शनि	मेष	18:38:01	बुध	28/05/2032
केतु	08/06/2036	11:39:52	तुला व	राहु	कर्क	09:22:50	केतु	16/06/2033
शुक्र	09/06/2039	11:39:52	मेष व	केतु	मक	09:22:50	शुक्र	15/06/2036
सूर्य	03/05/2040	06:36:35	मक व	हर्ष	मक	24:20:58	सूर्य	10/05/2037
चन्द्र	02/11/2041	01:38:40	मक व	नेप	मक	11:32:35	चन्द्र	09/11/2038
मंगल	20/11/2042	05:29:54	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	18:59:40	मंगल	27/11/2039

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:42 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:20

लग्न-चलित

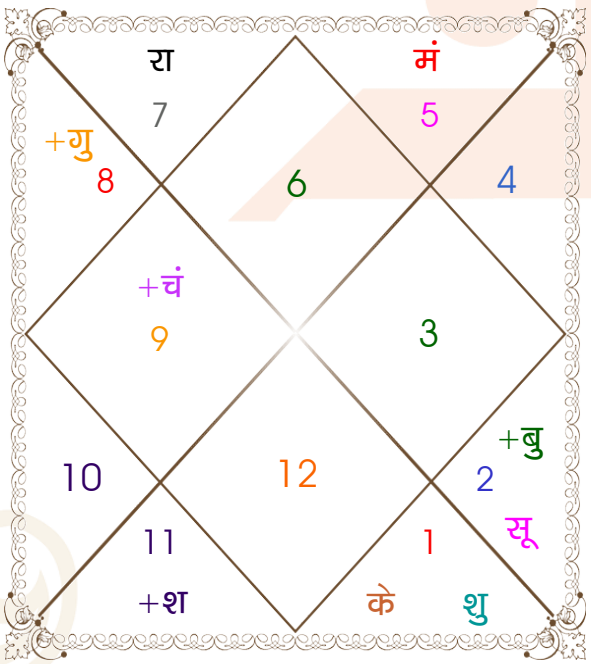

लग्न-चलित

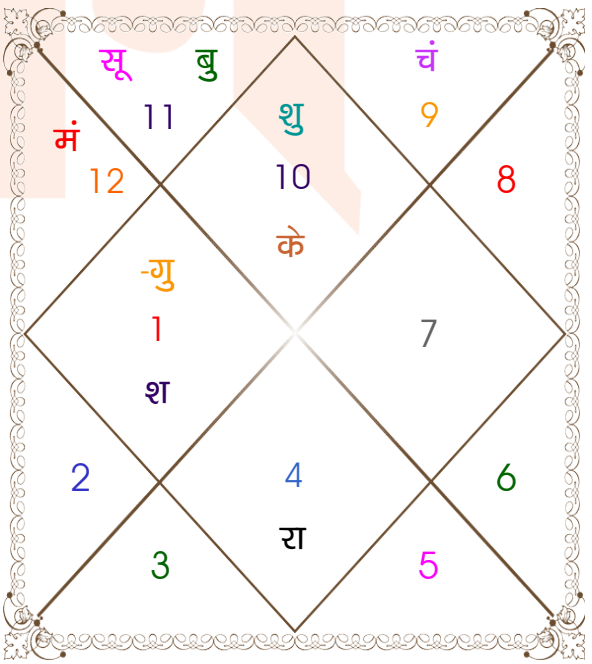

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

कुल : **34 / 36**

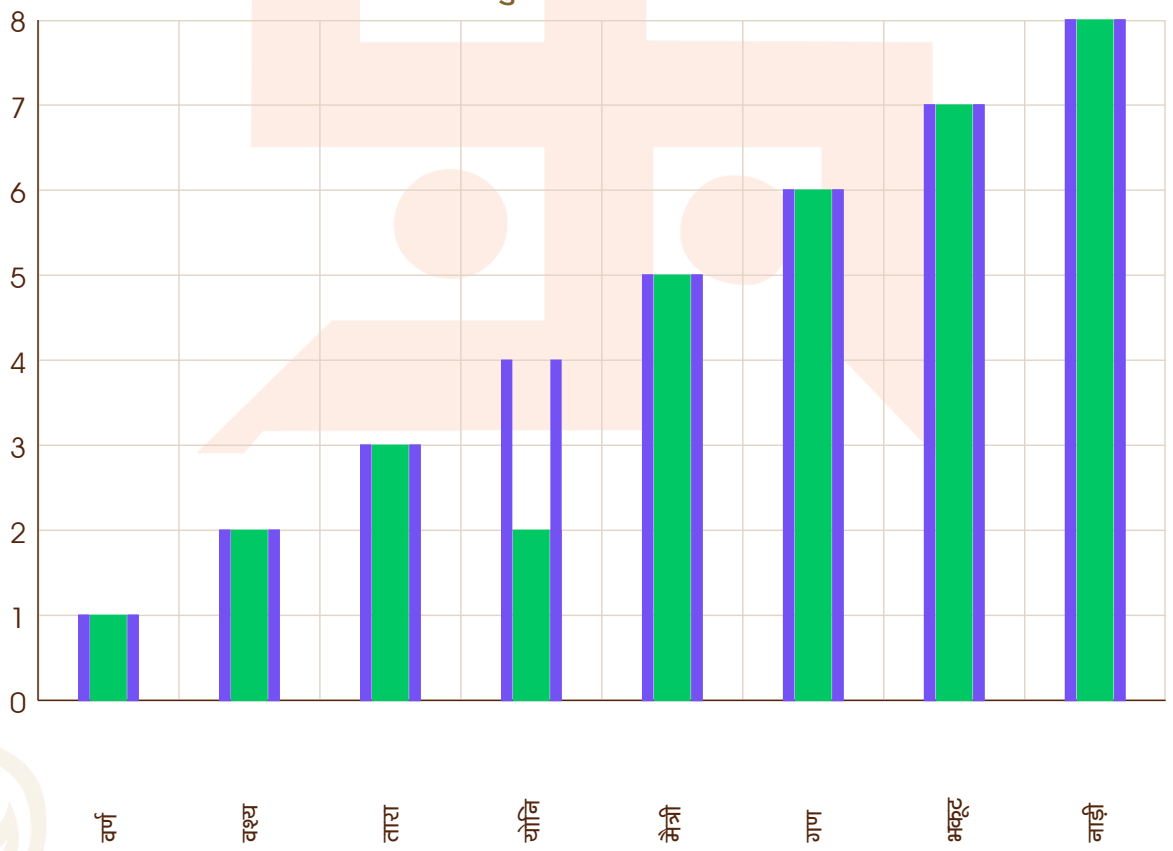

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट मिलान

ॅाींउॅाींतउं का वर्ग मूषक है तथा ठींूदॅाींतउं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारॅाींउॅाींतउं और ठींूदॅाींतउं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ॅाींउॅाींतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

ठींूदॅाींतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ठींूदॅाींतउं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ॅाींउॅाींतउं तथा ठींूदॅाींतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ँींउ ँीतउं का वर्ण क्षत्रिय तथा ठींूद ँीतउं का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

ँींउ ँीतउं का वश्य चतुष्पद है एवं ठींूद ँीतउं का वश्य भी चतुष्पद है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप ँींउ ँीतउं एवं ठींूद ँीतउं दोनों के स्वभाव, पसंद एक समान होंगे तथा आपसी तालमेल काफी अच्छा रहेगा, जिससे परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता रहेगा। दोनों के बीच अत्यधिक प्रेम की भावना भी बनी रहेगी।

तारा

ँींउ ँीतउं की तारा अतिमित्र तथा ठींूद ँीतउं की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। ँींउ ँीतउं हमेशा ठींूद ँीतउं के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

ँींउ ँीतउं की योनि वानर है तथा ठींूद ँीतउं की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ॅाींउ ॅाितउं एवं ठींूदॅाितउं दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ॅाींउ ॅाितउं एवं ठींूदॅाितउं दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

ॅाींउ ॅाितउं का गण मनुष्य तथा ठींूदॅाितउं का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

ॅाींउ ॅाितउं एवं ठींूदॅाितउं दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान ॅाींउ ॅाितउं एवं ठींूदॅाितउं तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

ॅाींउ ॅाितउं की नाड़ी मध्य है तथा ठींूदॅाितउं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण ॅाींउ ॅाितउं एवं ठींूदॅाितउं के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

ैींउ ैींतउं और ठींद ैींतउं की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त धनु राशि है। अतः इसके प्रभाव से ैींउ ैींतउं और ठींद ैींतउं के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी तथा परस्पर संबंधों में भी प्रगाढ़ता रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

ैींउ ैींतउं और ठींद ैींतउं की राशि का स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से परस्पर संबधों में मित्रता का भाव रहेगा तथा सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति हार्दिक प्रेम, सहानुभूति तथा समर्पण का भाव विद्यमान रहेगा एवं सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करेंगे। ऐसा करने से ैींउ ैींतउं और ठींद ैींतउं का वैवाहिक जीवन सुख एवं शांति पूर्ण व्यतीत होगा तथा मधुर स्मृतियों तथा क्षणों की हृदय से आनंद उठाएंगे।

ैींउ ैींतउं और ठींद ैींतउं की राशियां परस्पर प्रथम प्रथम - भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से ैींउ ैींतउं और ठींद ैींतउं भाग्यशाली सिद्ध होंगे तथा जीवन में इच्छित सुखऐश्वर्य एवं संसाधनों से युक्त होकर उनका उपभोग करेंगे। उनकी परस्पर सामंजस्य की प्रवृति भी होगी तथा एक दूसरे के अस्तित्व एवं स्वतंत्रता का हार्दिक सम्मान करेंगे जिससे ैींउ ैींतउं और ठींद ैींतउं का दाम्पत्य जीवन अत्यंत ही शुभ रहेगा तथा शांति पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

ैींउ ैींतउं और ठींद ैींतउं दोनों का वश्य चतुष्पद है। अतः इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक संबंधों में भी समता रहेगी फलतः आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा एवं काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे आंतरिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी।

ैींउ ैींतउं एवं ठींद ैींतउं दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों की कार्य क्षमता बराबर होगी तथा साहसिक एवं पराक्रमी कार्यो को करने में दोनों रूचिशील रहेंगे अतः कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

ैींउ ैींतउं की तारा अतिमित्र तथा ठींद ैींतउं की तारा सम्पत है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट का प्रभाव भी सम होगा तथा कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा। लेकिन मंगल का अशुभ प्रभाव ैींउ ैींतउं की आर्थिक स्थिति पर रहेगा परन्तु कुल स्थिति पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा ैींउ ैींतउं और ठींद ैींतउं समृद्धि से युक्त होकर जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

ठींद ैीतउं भाग्यशाली तथा धनाढ्य होंगी तथा ैीिउ ैीतउं के शुभ प्रभाव से अपने धन एवं वैभव की अभिवृद्धि करने में समर्थ होंगी लेकिन मंगल के प्रभाव से ैीिउ ैीतउं यदा कदा मुक्त हाथों से व्यय करेंगे। अतः ैीिउ ैीतउं को अपनी ऐसी प्रवृति पर नियंत्रण रखना चाहिए।

स्वास्थ्य

ैीिउ ैीतउं मध्य नाड़ी तथा ठींद ैीतउं अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई है। अतः दोनों की नाड़ी अलग अलग होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं होगा फलतः शारीरिक रूप से दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे परन्तु ठींद ैीतउं के स्वास्थ्य पर मंगल का अशुभ प्रभाव होगा जिससे वे रक्त या पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट भी हो सकता है। साथ ही गुप्त रोग या मासिक धर्म संबंधी असुविधा भी समय समय पर होती रहेगी। ठींद ैीतउं सुख के क्षणों में भी यदा कदा उदासीनता के भाव का प्रदर्शन करेंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव का भाव विद्यमान होगा। अतः मंगल के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए ठींद ैीतउं को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी सम्पन्न करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ैीिउ ैीतउं और ठींद ैीतउं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ैीिउ ैीतउं और ठींद ैीतउं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ठींद ैीतउं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ठींद ैीतउं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ठींद ैीतउं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ैीिउ ैीतउं और ठींद ैीतउं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ैीिउ ैीतउं और ठींद ैीतउं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ठींद ैीतउं के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ठींदौंतउं धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ठींदौंतउं के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ठींदौंतउं का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ठींदौंतउं से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

ौींउौंतउं तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ मेंौींउौंतउं के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वहौींउौंतउं को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ हीौींउौंतउं के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोणौींउौंतउं के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com